

राजस्थान में कथति सामूहिक धर्मांतरण के प्रयास के आरोप में ईसाई धर्म प्रचारक गरिफ्तार

चर्चा में क्यों?

हाल ही में राजस्थान में एक घटना घटी, जहाँ कथति तौर पर **पैसे और उपचार देकर सैकड़ों लोगों को ईसाई धर्म में परिवर्तित करने** की कोशिश करने के आरोप में दो प्रचारकों को गरिफ्तार किया गया तथा आठ अन्य को हरिसत में लिया गया।

मुख्य बद्दि:

- यह घटना भरतपुर की है, जहाँ प्रचारकों ने **450-500 व्यक्तियों** के साथ बड़े पैमाने पर कार्यक्रम आयोजित किया था।
- **वशिव हद्दि परषिद (VHP)** ने दावा किया कि प्रचारकों ने **हद्दि देवताओं** के खिलाफ आपत्तजनिक भाषा का प्रयोग किया और लोगों को गुमराह किया।
- पुलिस ने दो प्रचारकों को गरिफ्तार कर लिया, उनकी पहचान की और उनके खिलाफ शत्रुता को बढ़ावा देने, धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुँचाने तथा चोट पहुँचाने के लिये **भारतीय दंड संहिता (IPC)** की वभिन्नि धाराओं के तहत मामला दर्ज किया।
- पुलिस ने **आपराधिक प्रकरिया संहिता** की धारा 151 के नविरक उपायों के तहत आठ अन्य लोगों को भी हरिसत में लिया और बाद में ज़मानत पर रहि कर दिया।

नविरक नरिोध

- नविरक नरिोध का अर्थ है किसी व्यक्तिको न्यायालय द्वारा परीक्षण और दोषसदिधिके बिना हरिसत में रखना।
- इसका उद्देश्य किसी व्यक्तिको पछिले अपराध के लिये **दंडित करना नहीं है बल्कि उसे निकट भवषिय में अपराध करने से रोकना है।**
- किसी व्यक्तिकी हरिसत **तीन महीने** से अधिक नहीं हो सकती जब तक कि **सलाहकार बोर्ड** वसितारति हरिसत के लिये पर्याप्त कारण की रपिरट नहीं करता।
- **सुरक्षा:**
 - अनुच्छेद 22 गरिफ्तार किये गये या हरिसत में लिये गए व्यक्तियों को सुरक्षा प्रदान करता है।
 - अनुच्छेद 22 के दो भाग हैं- पहला भाग सामान्य कानून के मामलों से संबंधित है और दूसरा भाग नविरक नरिोध कानून के मामलों से संबंधित है।

धर्म की स्वतंत्रता

- भारत में धार्मिक स्वतंत्रता भारत के संवधान के **अनुच्छेद 25-28** द्वारा गारंटीकृत एक मौलिक अधिकार है।
 - अनुच्छेद 25 (अंतरात्मा की स्वतंत्रता और धर्म का स्वतंत्र व्यवसाय, अभ्यास एवं प्रचार)।
 - अनुच्छेद 26 (धार्मिक मामलों के प्रबंधन की स्वतंत्रता)।
 - अनुच्छेद 27 (किसी भी धर्म के प्रचार के लिये करों के भुगतान की स्वतंत्रता)।
 - अनुच्छेद 28 (कुछ शैक्षणिक संस्थानों में धार्मिक शिक्षा या धार्मिक पूजा में उपस्थिति के संबंध में स्वतंत्रता)।